Date
15/05/2020

TEACHING OF SCIENCE

D.El.Ed. IVth Sem

Topic. रक्त की सरचना

Period- Ist

रक्त के आदान-प्रदान में सावधानिया ⇒

कभी कभी दुर्घटना होने पर अथवा बिमारी से मनुष्य के शरीर मे रुधिर की कमी आ जाती है। जब यह कमी पूरी नही होती तब मृत्यु होने का भय रहता है। चिकित्सक स्वस्थ मनुष्य के रुधिर को रोगी के शरीर में पहुचाकर उसकी जीवन की रक्षा करता है।

इस क्रिया को रुधिर दान कहते है।

इस क्रिया में निम्न सावधानिया का ध्यान रखना चाहिये

1⇒ रक्त के आदान प्रदान में सदैव डिस्पोजल सिरिन्ज का उपयोग किया जाना चाहिये।

2⇒ 18 वर्ष की कम उम्र के बच्चो और 60 वर्ष से अधिक के व्यक्तियो को रक्त दान नही करना चाहिये।

3⇒ रक्त का आदान प्रदान सदैव पंजीकृत ब्लड बैंको या मान्यता प्राप्त अस्पतालो में ही करना चाहिये।

4⇒ रक्त के आदान प्रदान में रक्त वर्गो का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिये।

Scanned with CamScanner

रक्त पीडित सामन्य रोगो की जानकारी ⇒

सामन्य रोगो की जानकारी निम्न प्रकार है।

1 ⇒ मधुमेह

2 ⇒ रक्तदाब

3 ⇒ हृदय शूल

4 ⇒ स्थूलता

5 = धमनी कठोरता

6 ⇒ शीघ्र हृदयता

7 = हृदय ध्वनि अनियमित

8 = हृदय आवरण शोथ

9 = हृदय का गिर जाना।

Complete

Scanned with CamScanner